# शून्यकाल

**स्रोत: द हिंदू**

बजट सत्र के दौरान लोकसभा के सदस्यों ने **शून्यकाल (Zero Hour)** के दौरान मणिपुर जातीय हिंसा, हेट स्पीच के संबंध में सख्त कानूनों और आवारा कुत्तों के संबंध में एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स गठित करने सहित कई प्रमुख मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

- शून्यकाल, **प्रश्नकाल** और दिन के कार्यक्रम की शुरुआत के बीच के **अंतराल** को दर्शाता है। यह प्रश्नकाल के ठीक बाद शुरू होता है।
  - इसके अंतर्गत संसद सदस्य (सांसद) बिना किसी पूर्व सूचना की आवश्यकता के संबंधित मामले प्रस्तुत कर सकते हैं।
  - शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है। संसद की प्रक्रिया के नियमों में इस वाक्यांश का उल्लेख नहीं है.
- शून्यकाल की शुरुआत प्रारंभिक भारतीय संसद में हुई जब सांसदों द्वारा दोपहर के भोजन के अवकाश से पहले अनौपचारिक रूप से निर्वाचन क्षेत्र और राष्ट्रीय चिंताओं पर चर्चा की जाती है जो दोपहर 12 बजे के आसपास शुरू होता था और स्थगन तक जारी रहता था।
  - इसके परिणामस्वरूप उस अवधि को लोकप्रिय रूप से शून्यकाल के रूप में जाना जाने लगा और इस दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों को **शून्यकाल के प्रस्तुतीकरण** के रूप में जाना जाने लगा।

**और पढ़ें...**प्रश्नकाल और शून्यकाल, संसद में प्रश्न पूछना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/zero-hour-1